

- अभि. अभिष्टैति IX. 53. VIII. 45.
- उप. श्लोकैरुपस्तैति er verherrlicht (Jmd) in *Çloka's* XI. 17.
- नि. न्यष्टावीत् oder न्यस्तावीत् IX. 53. VIII. 45.
- सम्. Loben. हरिं संस्तुवन् V. 26.
- स्तुति *f.* Lob VIII. 108.
- स्तुत्य *Partic. fut. pass.* von स्तु XXVI. 17, 18. Lobenswerth 25.
- स्तुम् 1. *Med.* Hemmen. स्तोभते, अस्तोभिष्ट VIII. 108.
- वि. विष्टोभते, व्यष्टोभिष्ट VIII. 108, 45.
- स्तुम्भ् 5. 9. *Act.* स्तुभ्नाति, स्तुभ्नाति XVI. 1.
- स्तृ 5. *Act. Med.* Ausbreiten XII. 2. अस्तृषिष्ट oder अस्तृत, स्तृषिष्ट oder स्तृषीष्ट 3. — *Caus. Aor.* अतस्तृत् XVIII. 2. — स *wird niemals* ष VIII. 43.
- स्तृति *f.* 1) Ausbreitung XII. 2. — 2) Sich bekleiden IX. 39.
- स्तोकशस् *Adv.* VII. 68.
- स्तोतव्य *Adj.* Lobenswerth XXVI. 25.
- स्त्यै. स *wird niemals* ष VIII. 43.
- प्र. प्रस्तोत oder प्रस्तीम XXVI. 100.
- सम्. संस्त्यान XXVI. 100.
- स्त्रितरा = स्त्रीतरा VII. 49.
- स्त्री *f. Declin.* III. 20 — 22, 80 — 82.
- स्त्रीतरा = स्त्रितरा VII. 49.
- स्त्रीपुंस *m. dual.* Mann und Frau VI. 8.
- स्त्रैण *Patron.* von स्त्री VII. 12.
- स्थली *f.* IV. 26.
- स्थविष्ठ und स्थवीयस् *Superl. und Comp.* von स्थूल VII. 56.
- स्था 1. *Act.* Stehen bleiben. तिष्ठति (VIII. 70.), अस्थात् (VIII. 25), तस्थौ, स्थायात् (VIII. 85.) VIII. 87. अस्थित X. 11. — *Wann* त् und ई *an die Stelle von* आ *treten* VIII. 85. स्थित XXVI. 119. 1) Befindlich, seiend. स्त्रीलिङ्गे स्थितः IV. 1. — 2) Anfänglich, vorläufig seiend (von einer grammatischen Form, die später Veränderung